STARTUP
INCUBATION AND
INNOVATION
CENTRE
IIT KANPUR

अंक 3
संस्करण - 08

अगस्त 2024

टेक की बात

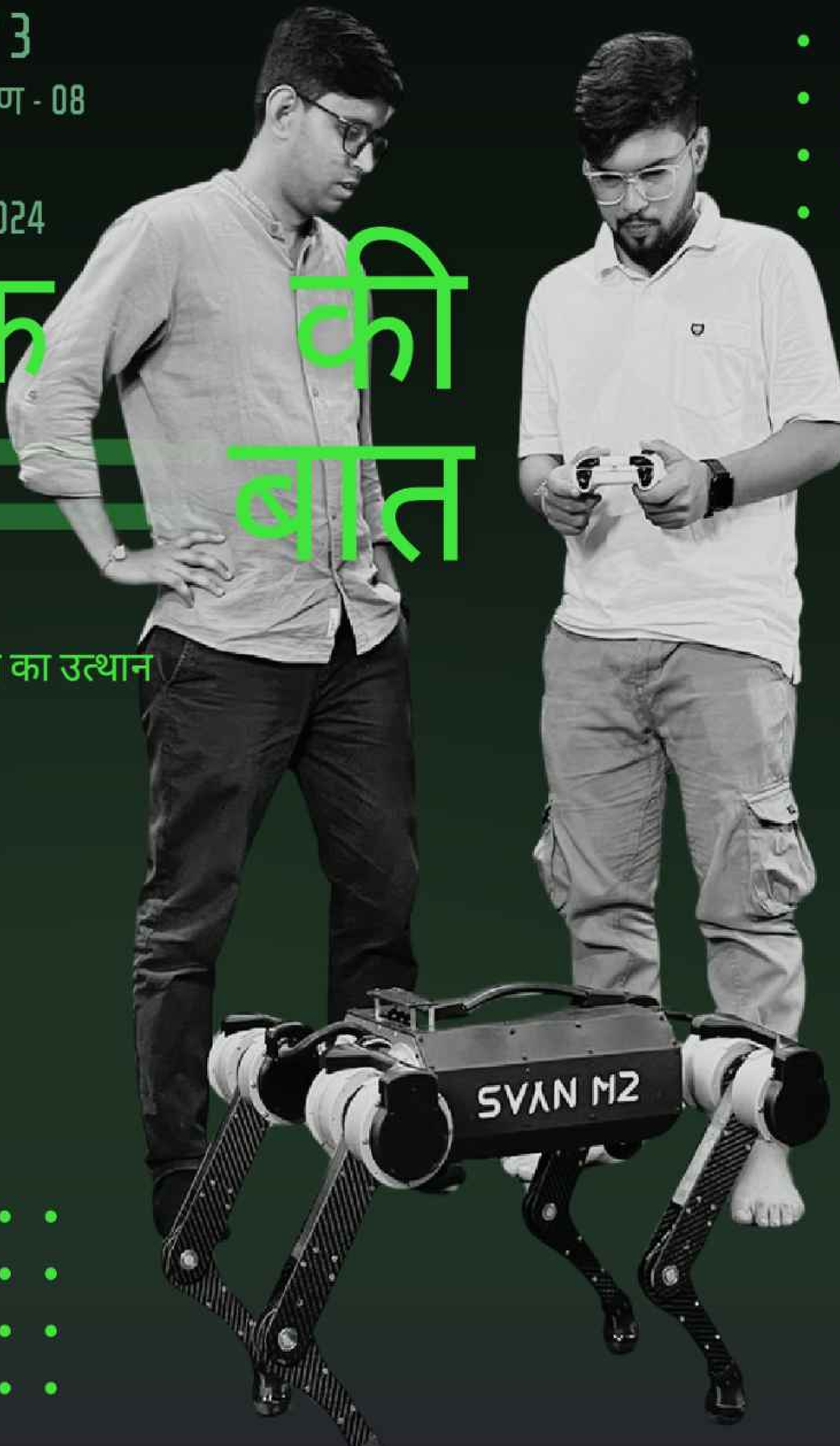

रोबोटिक्स का उत्थान

गुरु मंत्र

श्री रोनी बनर्जी
सलाहकार, ईवाय (EY)

भारत की पालतू पशुओं की खाद्य उद्योग में क्रांति ला रहे खाद्य प्रौधोगिकी स्टार्टअप्स

पालतू जानवरों के लिए खाद्य पदार्थ का उत्पादन पालतू पशु खाद्य उद्योग की एक अत्यंत महत्वपूर्ण और विकास की दिशा में अग्रसर प्रक्रिया है। वर्तमान में, यह क्षेत्र अपनी महत्वपूर्ण भूमिका के साथ तेजी से विस्तार कर रहा है। लोगों की अपनी पालतू जानवरों के स्वास्थ्य और कल्याण के प्रति बढ़ती जागरूकता के कारण, विशेष आहार संबंधी आवश्कयताओं को पूरा करने वाली भोजन की मांग निरंतर बढ़ रही हैं। ये खाद्य पदार्थ जानवरों की विभिन्न प्रजातियों के अनुसार अनुकूलित किए जा सकते है, और ये कई प्रकार के विकल्पों के रूप में उपलब्ध हैं।

विशिष्ट पशु आहार के क्षेत्र में भी नए क्षितिज उद्घाटित हो चुके हैं। भारत का पालतू पशु खाद्य बाजार 2029 तक 1.87 अरब अमरीकी डॉलर तक पहुंचने की उम्मीद है। यह उद्योग नवोन्मेषी विचारों और सशक्त कारणों के साथ स्टार्टअप्स के लिए एक सुनहरा अवसर प्रदान करता है।

प्रमुख बिंदु:

- ☑ भारतीय पालतू पशु खाद्य बाजार में नवोन्मेषी स्टार्टअप के लिए 17.08% की अनुमानित वार्षिक दर (CAGR) को आकर्षित करने की पर्याप्त अप्रयुक्त संभावनाएं मौजूद है।
- ☑ कुत्ते के खाद्य पदार्थ ने वर्तमान दौर में बाजार में अपना प्रभुत्व बना रखा हैं। लेकिन बिल्लियों की जनसँख्या में भी 88.6% की वृद्धि हो रही है, जिसके परिणामस्वरूप उच्च गुणवत्ता वाले बिल्ली खाद्य पदार्थ की व्यापक श्रेणी की मांग बढ़ रही है।
- ☑ स्टार्टअप्स प्रीमियम और व्यक्तिगत पालतू जानवरों के भोजन की बढ़ती मांग को पूरा करने हेतु ताज़ा, जैविक और स्वास्थ्य-केंद्रित विकल्पों का सृजन कर रहे हैं।
- ☑ "पालतू जानवरों के मानवीयकरण" की प्रवृत्ति तकनीक-सक्षम पालतू जानवरों की देखभाल समाधानों की मांग को बढ़ावा दे रही है, जिसमें स्मार्ट फीडर, कनेक्टेड खिलौने और व्यक्तिगत पोषण योजनाएं शामिल हैं।
- ☑ स्टार्टअप्स प्रौद्योगिकी और नवाचारी विक्रय मॉडलों का उपयोग करके वितरण में आने वाली खामियों को दूर कर सकते हैं, जिससे दूरस्थ क्षेत्रों में स्थित पालतू जानवरों के मालिकों तक पहुंच बनाकर उन्हें सुविधाजनक वितरण सेवाएं प्रदान की जा सकें।

भारतीय पालतू पशु खाद्य बाजार में नवाचार और परिवर्तन के लिए स्टार्टअप्स हेतु अपार संभावनाएं हैं। तीव्र गति से बढ़ती पालतू पशु जनसंख्या, उपभोक्ता वरीयताओं में परिवर्तन और विकास के व्यापक अवसरों के साथ, यह क्षेत्र उद्यमियों के लिए आशाजनक अवसर प्रदान करता है संभावनाओं के साथ, यह क्षेत्र उद्यमियों के लिए एक आशाजनक अवसर प्रदान करता है। प्रौद्योगिकी का लाभ उठाकर, प्रीमियमीकरण पर ध्यान केंद्रित करके और वितरण चुनौतियों का समाधान करते हुए, स्टार्टअप्स भारतीय पालतू खाद्य उद्योग के भविष्य को आकार देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं।

विषय - सूची

नवीन इन्क्यूबेशन

एसआईआईसी(SIIC), आईआईटी कानपुर में अगस्त माह के दौरान नवीन और अभिनव प्रौद्योगिकियों के साथ नए स्टार्टअप शुरू किए गए हैं। स्टार्टअप्स के बारे में जानने के लिए आगे पढ़ें।

अधिक जानने के लिए इस अनुभाग को देखें।

पृष्ठ सं: 01

मासिक समयरेखा

एसआईआईसी (SIIC), आईआईटी कानपुर में वर्तमान में चल रहे विभिन्न कार्यक्रम अनुभागों में कुछ उत्कृष्ट उपलब्धियों के बारे में जानें।

अधिक जानने के लिए इस अनुभाग को देखें।

पृष्ठ सं: 02

कार्यक्रम की झलकियां

एसआईआईसी (SIIC), आईआईटी कानपुर में वर्तमान में चल रहे विभिन्न कार्यक्रम अनुभागों में कुछ उत्कृष्ट उपलब्धियों के बारे में जानें।

अधिक जानने के लिए इस अनुभाग को देखें।

पृष्ठ सं: 03-04

सफलता की कहानियां

इस भाग में उन प्रेरक स्टार्टअप्स के बारे में जानें जिन्होंने राष्ट्रीय स्तर पर अपनी उल्लेखनीय उपलब्धियों से हमारे इनक्यूबेशन पारिस्थितिकी तंत्र को मजबूत किया।

अधिक जानने के लिए इस अनुभाग को देखें।

पृष्ठ सं: 05

नवप्रवर्तकों से बात

यह खंड हमारे पाठकों को वर्तमान में एसआईआईसी (SIIC), आईआईटी कानपुर में इनक्यूबेशन के तहत विशिष्ट, नवीन प्रौद्योगिकियों में से एक से परिचित कराता है। क्रांतिकारी प्रगति और परिवर्तनकारी पारिस्थितिकी तंत्र के बारे में अधिक जानने के लिए इस खंड को पढ़ें।

अधिक जानने के लिए इस अनुभाग को देखें।

पृष्ठ सं: 06

आगामी कार्यक्रम/कार्यशालाएं /अनुदान

एसआईआईसी (SIIC), आईआईटी कानपुर में निर्धारित आगामी अनुदानों, कार्यक्रमों और कार्यशालाओं का अन्वेषण करें।

अधिक जानने के लिए इस अनुभाग को देखें।

पृष्ठ सं: 07

नवीन इन्क्यूबेशन

Just Data Analytics

जस्टडेटाएनालिटिक्स प्राइवेट लिमिटेड, जिसे परमिता गुहा और प्रो. प्रदीप स्वर्णकार द्वारा स्थापित किया गया हैं। यह स्टार्टअप डेटा प्रोसेसिंग गतिविधियों पर काम कर रहा है।

indespace

इंडेस्पेस रोबोटिक्स प्राइवेट लिमिटेड, जिसकी स्थापना अभिषेक वर्मा और सौम्या सिंह ने की है। यह स्टार्टअप चिकित्सा रोबोटिक्स और उससे संबंधित क्षेत्रों पर काम कर रहा है। इनका लक्ष्य एप्लाइड रोबोटिक्स इंजीनियरिंग के माध्यम से रोगी देखभाल को बेहतर बनाना और नैदानिक परिणामों में सुधार करना है। यह उधम ऐसे नवीन चिकित्सा उपकरणों का विकास और कार्यान्वयन करता हैं जो स्क्रीनिंग, निदान और उपचार जैसे न्यूनतम हस्तक्षेप वाली प्रक्रियाओं में अत्याधिक सहायक होते है। ये उपकरण पारंपरिक तरीकों की तुलना में अधिक सटीकता, लचीलापन और नियंत्रण प्रदान करते हैं।

मासिक समयरेखा

11 जुलाई 24

एसआईआईसी (SIIC) ने वकतव्य फाउंडेशन की पहल, एम्पावर पंचायत के साथ एक समझौता ज्ञापन (MoU) पर हस्ताक्षर किए हैं। इस समझौते का मुख्य उद्देश्य भारत में ग्रामीण सुशासन को सुधारने के लिए कृत्रिम बुद्धिमत्ता और डिजिटल तकनीकों का उपयोग करना है। इस साझेदारी के अंतर्गत, दोनों संगठन अपनी क्षमताओं का समन्वय करके भारत की ग्रामीण पंचायतों (स्थानीय परिषदों) को अधिक सुदृढ़ और प्रभावी ढंग से कार्य करने में सहायक बनेंगे।

28 जुलाई 24

एसआईआईसी (SIIC) और जीआईएमएस(GIMS) ने परामर्श, प्रशिक्षण और अनुसंधान में सहयोग को बढ़ावा देने के लिए एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए हैं। इस साझेदारी का उद्देश्य इन गतिविधियों की गुणवत्ता में सुधार करना और आईआईटी कानपुर में विकसित चिकित्सा उपकरणों और उत्पादों की नैदानिक पुष्टि (clinical validation) को सुनिश्चित करना है। इसके अलावा, इस समझौते के तहत इन क्षेत्रों में काम कर रहे छात्रों और स्टार्टअप्स को मार्गदर्शन और परामर्श भी प्रदान किया जाएगा।

1 अगस्त 24

आईआईटी कानपुर और स्कैनजेनी साइंटिफिक ने मुख कैंसर का पता लगाने वाली एक पोर्टेबल डिवाइस की प्रौद्योगिकी के लाइसेंसिंग समझौते पर हस्ताक्षर किए है। इस तकनीक का विकास रसायन अभियांत्रिकी विभाग के प्रोफेसर जयंत के. सिंह द्वारा किया गया है। समझौते पर हस्ताक्षर के अवसर पर कई महत्वपूर्ण व्यक्तियों की उपस्थिति रही, जिनमें प्रोफेसर तरुण गुप्ता, डीन, अनुसंधान एवं विकास, प्रोफेसर अंकुश शर्मा, प्रभारी, एसआईआईसी, प्रोफेसर अमिताभ बंदोपाध्याय, प्रमुख, जैव अभियांत्रिकी और जैव प्रौद्योगिकी, डॉ प्रेरणा सिंह, प्रमुख,ओरल पैथोलॉजी, एमपीडीसी और सह-आविष्कारक और श्री धीरेंद्र सिंह, निर्देशक, स्कैनजेनी साइंटिफिक शामिल थे।

2 अगस्त 24

एसआईआईसी (SIIC), आईआईटी कानपुर और एसोसिएशन ऑफ बायोटेक्नोलॉजी लेड एंटरप्राइजेज (एबीएलई) ने उत्तरी क्षेत्र में एक क्षेत्रीय शाखा की स्थापना हेतु साझेदारी की है। इस सहयोग का उद्देश्य जैव प्रौद्योगिकी क्षेत्र में सहयोग, ज्ञान के आदान-प्रदान और विकास को बढ़ावा देना है।

7 अगस्त 24

एसआईआईसी (SIIC), आईआईटी कानपुर और केनरा बैंक ने सेमिनारों, सम्मेलनों, और कार्यशालाओं के माध्यम से उद्यमियों का समर्थन करने के लिए एक समझौता ज्ञापन (MoU) पर हस्ताक्षर किए। इस समझौते पर प्रोफेसर अंकुश शर्मा, प्रभारी, एसआईआईसी (SIIC), आईआईटी कानपुर और संजय कुमार, उप महाप्रबंधक, केनरा बैंक के द्वारा हस्ताक्षर किए गए। इस अवसर पर कई प्रमुख व्यक्तियों की उपस्थिति रही।

कार्यक्रम

की झलकियां

20 जुलाई को, एसआईआईसी (SIIC) ने चिकित्सा उपकरण विकास पर एक विशेष व्याख्यान आयोजित किया। इस कार्यक्रम में चित्रा तिरुनल संस्थान के निदेशक, प्रोफेसर संजय बेहारी मुख्य प्रवक्ता थे। उन्होंने चिकित्सा उपकरण नवाचार में आने वाली चुनौतियों और अवसरों पर चर्चा की, जिसमें विकास के चरण, वित्त पोषण, उद्योग सहयोग, और नैदानिक समावेश जैसे महत्वपूर्ण विषय शामिल थे।

और पढ़ें

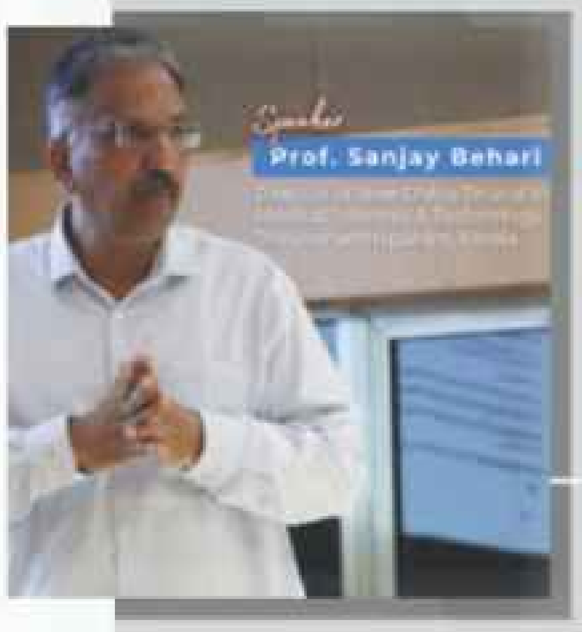

24 जुलाई को, प्रोफेसर मनिंद्र अग्रवाल,निदेशक, आईआईटी कानपुर और डॉ निखिल अग्रवाल, सीईओ फर्स्ट एंड एआईआईडीई (AIIDE), सीओई ने लखनऊ में उत्तर प्रदेश के माननीय मुख्य सचिव श्री मनोज कुमार सिंह, आईएएस से मुलाकात की। इस अवसर पर प्रोफेसर अग्रवाल ने माननीय मुख्य सचिव को आईआईटी कानपुर में चल रहे शोध और परियोजनाओं की विस्तृत जानकारी दी। इसके साथ ही, मुख्य सचिव ने उत्तर प्रदेश में स्थिरता और अपशिष्ट प्रबंधन के उपायों के ऊपर गहन चर्चा की, जिससे राज्य के सम्रग विकास के लिए नई रणनीतियों का मार्ग प्रशस्त हो सके।

और पढ़ें

सिब शाइन सिंक(SIB-SHInE SYNC) कार्यक्रम के अंतर्गत 24 जुलाई को मेडटेक नवाचार पर एक पैनल चर्चा का आयोजन किया गया। प्रोफेसर संजय बेहारी, प्रोफेसर अमिताभ बंद्योपाध्याय और श्री प्रबल चक्रवर्ती सहित प्रमुख विशेषज्ञों ने मेड टेक स्टार्टअप्स के समक्ष आने वाली चुनौतियों और अवसरों पर अपने विचार साझा किए। चर्चा के मुख्य विषय में नियामक बाधाएं, वित्तपोषण की सीमाएं और मजबूत अनुसंधान और विकास के महत्व शामिल थे। इसके साथ ही, पैनल ने स्वास्थ्य सेवा में कृत्रिम बुद्धिमत्ता और जैव प्रौद्योगिकी की क्रांतिकारी संभावनाओं पर भी विस्तार से विचार किया।

और पढ़ें

एसआईआईसी (SIIC) ने 29 जुलाई को डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम तकनीकी(प्राविधिक) विश्वविद्यालय (AKTU), लखनऊ के साथ मिलकर मेडटेक नवाचारों पर एक वेबिनार का आयोजन किया। इस पहल का उद्देश्य स्वास्थ्य देखभाल क्षेत्र में नवोदित उद्यमियों के लिए उपलब्ध अवसरों पर प्रकाश डालना था, जिसमें विशेषरूप से बीएफआई-बायोम बायोइनोवेशन कार्यक्रम पर ध्यान केंद्रित किया गया। एकेटीयू के साथ साझेदारी के माध्यम से उत्तर प्रदेश में विभिन्न छात्रों और शोधकर्ताओं को शामिल कर इसकी पहुँच को व्यापक बनाया गया है।

और पढ़ें

कार्यक्रम
की झलकियां

एसआईआईसी (SIIC) ने 30 जुलाई को दिल्ली में इंडो-कोरियाई स्टार्टअप नॉलेज एक्सचेंज कार्यक्रम में सक्रिय रूप से भाग लिया, जिसका उद्देश्य भारतीय और कोरियाई स्टार्टअप पारिस्थितिकी तंत्र के बीच सहयोग को बढ़ावा देना था। एसआईआईसी (SIIC), आईआईटी कानपुर के विशेषज्ञों ने भारत के स्टार्टअप क्षेत्र और बौद्धिक संपत्ति प्रावधान पर महत्वपूर्ण जानकारियाँ प्रदान की। इस कार्यक्रम ने कोरियाई स्टार्टअप्स के भारतीय बाजार में प्रवेश करने के संभावित अवसरों में सहायता प्रदान की। यह आयोजन भारत-कोरियाई तकनीकी सहयोग को मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

और पढ़ें

2 अगस्त को, एसआईआईसी (SIIC), आईआईटी कानपुर, थिंक एग (ThinkAg) और एबीएलआई(ABLE) द्वारा सह-आयोजित एगबायोकनेक्ट (AgBioConnect) कार्यक्रम में निवेश, उद्योग और शिक्षा जगत के प्रमुख व्यक्तियों ने भाग लिया। इस महत्वपूर्ण आयोजन ने एगबायोकनेक्ट (AgBioConnect) क्षेत्र में पूंजी जुटाने, अनुसंधान साझेदारियों और व्यावसायीकरण के अवसरों पर गहन और विश्लेषणात्मक चर्चाओं का मंच प्रदान किया। इस दौरान, स्टार्टअप्स ने अपने नवाचारों को प्रदर्शित किया और संभावित साझेदारी और वित्तपोषण के अवसरों की तलाश की।

और पढ़ें

प्राइमरी हेल्थटेक प्रा. लिमिटेड ने एसआईआईसी (SIIC), आईआईटी कानपुर के सहयोग से 5 से 12 अगस्त तक सेफएक्सप्रेस-प्रायोजित स्वास्थ्य शिविर का सफलतापूर्वक आयोजन किया। इस शिविर के दौरान 382 व्यक्तियों की स्वास्थ्य जांच की गई और 5,730 परीक्षण किए गए। इस पहल का मुख्य उद्देश्य परिवहन (ट्रकिंग) समुदाय के स्वास्थ्य में सुधार करना था, जिसमें प्रारंभिक अवस्था की बीमारियों का शीघ्र निदान कर उनके प्रसार को रोकने का प्रयास किया गया।

7 अगस्त को, एसआईआईसी (SIIC), आईआईटी कानपुर और बाईरैक (BIRAC) ने ग्लोबल बायो इंडिया रोडशो के अंतर्गत "क्रॉसिंग वैली ऑफ डेथ: स्ट्रैटेजीज फॉर बायो स्टार्टअप्स" शीर्षक से एक वेबिनार का आयोजन किया। इस संगोष्ठी के पैनलिस्टों में BIRAC की श्रीमती शिल्पी कोचर और आईआईटी कानपुर के प्रो. अमिताभ बंद्योपाध्याय शामिल थे, जिन्होंने बायोटेक्नोलॉजी के व्यावसायीकरण पर गहन विचार और मार्गदर्शन प्रदान किया। उद्यमी निखिल कुरेले, अक्षय श्रीवास्तव और सार्थक गुप्ता ने अपने अनुभवों से व्यावहारिक अन्तर्दृष्टियाँ प्रदान की।

और पढ़ें

एसआईआईसी (SIIC), आईआईटी कानपुर और हमारे मेडटेक स्टार्टअप्स ने 9 अगस्त को आईसीएमआर (ICMR) और सीडीएससीओ (CDSCO) द्वारा आयोजित "हैंडहोल्डिंग सपोर्ट टू मेडटेक इनोवेटर्स" ("मेडटेक नवप्रवर्तकों के लिए मार्गदर्शन सहायता") कार्यशाला में भाग लिया। यह आयोजन मेडटेक नवाचारों के नैदानिक सत्यापन के लिए नियामक ढांचे पर केंद्रित था।

और पढ़ें

ऐरेओ

(जो पहले आरव अनमैन्ड सिस्टम्स के नाम से जाना जाता था), एसआईआईसी (SIIC), आईआईटी कानपुर में इन्क्यूबेटेड स्टार्टअप ने अपने इंटेलिजेंस सॉल्यूशंस का विस्तार करने के लिए 15 मिलियन का अनुदान प्राप्त किया है। बेंगलुरु स्थित ड्रोन स्टार्टअप ने यह राशि अपनी सीरीज बी फंडिंग राउंड में 360 वन एसेट (360 ONE Asset) के नेतृत्व में जुटाई, जिसमें स्टार्टअप एक्ससीड वेंचर्स और नवम कैपिटल ने भी योगदान दिया।

और पढ़ें

ब्रेला इनोवेशन

ने प्रतिष्ठित मेडटेक ओपन चैलेंज प्रोग्राम (ओसीपी) और टाई (TIE) वीमेन ग्लोबल पिच प्रतियोगिता दोनों में पहला स्थान प्राप्त किया। ये उपलब्धियाँ कंपनी की चिकित्सा प्रौद्योगिकी क्षेत्र के प्रति प्रतिबद्धता और महत्वपूर्ण स्वास्थ्य देखभाल चुनौतियों का समाधान करने के लिए इसके अभिनव दृष्टिकोण को दर्शाती हैं।

और पढ़ें

एक्सटेरा रोबोटिक्स

एक्सटेरा रोबोटिक्स, भारतीय गहन प्रौद्योगिकी (Deeptech) के क्षेत्र में एक विशिष्ट अग्रणी स्टार्टअप, आदित्य राजावत के दूरदर्शी नेतृत्व में रोबोटिक्स के भविष्य में क्रांतिकारी परिवर्तन कर रही है। इस प्रतिष्ठान की उच्चतम तकनीकी क्षमताओं वाली अभियंत्रा टीम अत्यंत जटिल गतिशीलता की समस्याओं का निराकरण अत्याधुनिक तकनीकी नवाचारों के माध्यम से कर रही है। रोबोटिक्स नवाचार के क्षेत्र में तेजी से अग्रसर होते हुए, एक्सटेरा रोबोटिक्स विचारों को वास्तविकता में बदलने की प्रकिया को अत्यंत प्रभावशाली ढंग से क्रियान्वित कर रही है। एक विशेष साक्षात्कार में, आदित्य राजावत ने अभिनव दृष्टिकोण को साकार करने के लिए अपनाए गए तकनीकी उपायों पर चर्चा की।

एसआईआईसी [SIIC]: आपके उत्पाद की अनूठी विशेषताएं क्या हैं?

आदित्य राजावत (एआर): हम एक अत्याधुनिक चार-पैर वाले रोबोट का विकास कर रहे हैं, जो उत्कृष्ट गतिशीलता और फुर्ती प्रदान करता है। ये हल्के रोबोट विविध प्रकार की भौगोलिक स्थितियों में सर्वदिशात्मक गति के साथ संचालित होते हैं और सीढ़ियों और ढलानों को सुदूर नियंत्रण (remote control) के माध्यम से प्रभावशाली ढंग से सुगमता से पार कर सकते हैं, जिससे वे विभिन्न अनुप्रयोगों के लिए अत्यंत उपयुक्त और बहुउपयोगी बनते हैं।

एसआईआईसी [SIIC]: आपके उत्पाद विभिन्न क्षेत्रों में कैसे उपयोगी हैं?

एआर: कुशल इंजीनियरों की एक टीम ऐसे रोबोट विकसित कर रही है, जो असमतल सतहों पर बिना किसी कठिनाइयों के चल सकते हैं। हमारे उत्पाद औद्योगिक निरीक्षण, पूर्वानुमानित रखरखाव के लिए डेटा संग्रह और शहरी क्षेत्रों की सुरक्षा निगरानी के लिए आदर्श हैं। ये रोबोट दिशा -निर्देशन करने और निर्देशों का पालन करने में सक्षम हैं, जिससे इनका उपयोग रक्षा क्षेत्र में अत्यधिक उपयोगी हो सकता हैं।

एसआईआईसी [SIIC]: आप अपने उत्पादों में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस [एआई] का उपयोग कैसे करते हैं?

एआर: हम ऐसे रोबोट विकसित कर रहे हैं जो लोगों को पहले से कहीं अधिक तेजी और कुशलता से कार्यों को पूरा करने में मदद करेंगे। हमारी रोबोटिक तकनीकों को कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) द्वारा अत्यंत विशिष्ट रूप से परिवर्तित किया गया है। एआई तकनीक के माध्यम से, हम अपने रोबोटों की क्षमताओं और प्रदर्शन को इस प्रकार से उन्नत कर रहे है कि वे अपने क्षेत्रीय परिवेश से सीखते हुए उन्हें आत्मसात करने में सक्षम हो सके।

एसआईआईसी [SIIC]: आपको एसआईआईसी से क्या मदद मिली?

एआर: स्टार्टअप इन्क्यूबेशन एंड इनोवेशन सेंटर ने हमारे इन्क्यूबेशन की शुरुआत से ही हमें सहयोग प्रदान किया है। स्पिन-ऑफ मोबाइल रोबोटिक्स प्रयोगशाला, आईआईटी कानपुर की सलाह, मार्गदर्शन और वित्तपोषण ने हमें स्वचालन आवश्यकताओं के अनुरूप समाधान विकसित करने में सक्षम बनाया है। हमारे पास एक अत्यंत ऊर्जावान टीम (कर्मीदल) है, जो अनुभवी मार्गदर्शकों के निर्देशन में कार्यरत हैं।

> "अपने प्रयासों पर ध्यान केंद्रित करें और दृढ़ संकल्प के साथ अपने लक्ष्यों का पीछा करें।"........आदित्य राजावत

STARTUP INCUBATION AND INNOVATION CENTRE
IIT KANPUR

अंक - 03 | संस्करण - 08 | अगस्त 2024

आगामी

अनुदान/कार्यक्रम/ कार्यशालाएं

सितम्बर 15TH, 2024

ग्रिड-इंडिया पावर सिस्टम अवॉर्ड [जीआईपीएसए]

यहां क्लिक करें आवेदन करने के लिए

जल्द आ रहा है

टेकव्यू: पायनियर्स ऑफ़ इनोवेशन

WWW.SIICINCUBATOR.COM

संवर्धक

कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व

वित्तपोषण और पर्यवेक्षण

ज्ञान

कृत्रिम बुद्धिमता संवर्ध

उद्योग

अंतर्राष्ट्रीय

सेवा

क्लीनिकल

अंक - 03 | संस्करण - 08 | अगस्त 2024

अगस्त 2024

टेक की बात

रोबोटिक्स का उत्थान

IIT KANPUR

INCUBATION AND INNOVATION IIT KANPUR

STARTUP INCUBATION AND INNOVATION CENTRE IIT KANPUR

WWW.SIICINCUBATOR.COM

सिडबी बिल्डिंग, सिक्स्थ एवेन्यू आईआईटी कानपुर
कल्याणपुर,
कानपुर उत्तर प्रदेश 208016

इनोवेशन हब, आईआईटी कानपुर आउटरीच सेंटर,
ब्लॉक सी, सेक्टर 62,
नोएडा